# बी.एड. पाठ्यक्रम के स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम की प्रभावशीलता के मूल्यांकन का अध्ययन

**डॉ. मंजू गुप्ता**

एसोसियट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग

जगन्नाथ विश्वविद्यालय, जयपुर

**सारः-** बी.एड. पाठ्यक्रम में स्कूल इन्टर्नशिप कार्यक्रम प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को नए अनुभव लिखाने की गहराई है। इसलिए इसे शिक्षक-शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। यह कार्यक्रम शिक्षक के वास्तविक जीवन की विभिन्न भूमिकाओं में प्रशिक्षार्थियों को अनुभव प्रदान करता है। प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्ता ने शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की राय एवं उनकी प्रतिक्रिया के आधार पर इन्टर्नशिप कार्यक्रम की प्रभावशीलता को प्रतिबिम्बित एवं उसका आंकलन करने का प्रयास किया है। प्रस्तुत लेख का मुख्य उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की इन्टर्नशिप के प्रति प्रतिक्रिया व मानसिकता को समझना है ओर यह पता लगाना है कि क्या यह कार्यक्रम प्रशिक्षणार्थियों को आने वाली बाधाओं आदि का सामना करने के लिए तथा असमाधान खोजने के लिए तैयार करता है या नहीं। शोध कार्य में प्रथम वर्ष के बी.एड. विद्यार्थियों को शामिल किया गया था। इन्टर्नशिप के सफल समापन के बाद जांचकर्त्ता ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रश्नावली भरवाकर विश्लेषण तथा परिणामों का पता किया। निष्कर्ष में पाया कि सभी शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों का मत था कि यह कार्यक्रम उनके लिए प्रभावी था तथा वे कार्यक्रम के कार्यान्वयन से संतुष्ट थे।

**कीवर्ड :-** स्कूल इन्टर्नशिप, प्रशिक्षु शिक्षक, शिक्षण कौशल, प्रभावशीलता

## परिचयः-

एक छात्र से एक पेशेवर के जीवन के चरणों का परिवर्तन हमेशा बहुत सरल नहीं होता है। पेशेवर जीवन में प्रवेश करने पर छात्रों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें काम की नई दुनिया में अपने वैचारिक ज्ञान को लागू करके पेशेवर माहौल के अनुसार खुद को समायोजित करना होगा। आमतौर पर, व्यावसायिक छात्र अपने पहले नौकरियों में अपने कौशल और सैद्धांतिक व्यावसायिक ज्ञान का उपयोग करते हैं। शैक्षिक इंटर्नशिप कार्यक्रमों के माध्यम से वैचारिक ज्ञान और प्रशिक्षण को एकीकृत करके, छात्रों को कार्यस्थल पर अपनी अवधारणाओं को बेहतर ढंग से लागू करने के लिए सुविधा प्रदान की जा सकती है अकादमिक इंटर्नशिप पर्यवेक्षण और निर्धारित कार्य में भाग लेकर सिद्धांत और व्यवहार को जोड़ने के लिए एक पुल है। ये इंटर्नशिप कार्यक्रम न केवल छात्रों के व्यक्तिगत

कौशल में सुधार करते हैं, बल्कि उनके पेशेवर विकास और अनुभव को भी पॉलिश करते हैं। आज, शैक्षणिक संस्थान, छात्र और व्यवसायिक भर्तीकर्ता इंटर्नशिप कार्यक्रमों के महत्व से अच्छी तरह से वाकिफ हैं। इंटर्नशिप कार्यक्रम छात्रों के नामांकन को उन्नत करने और उनके पाठ्यक्रम को तैयार करने के लिए शैक्षिक संस्थानों के लिए अवसर हैं। छात्रों के लिए, इंटर्नशिप व्यावहारिक कार्य का अनुभव है। जैसा कि कंपनियां उन व्यावसायिक स्नातकों को पसंद करती हैं जिनके पास आवश्यक कौशल और व्यावहारिक ज्ञान है इंटर्नशिप मूल्यवान कर्मचारियों और कंपनियों को सक्षम नौकरी आवेदकों की आपूर्ति करती है इंटर्नशिप कार्यक्रम छात्रों को अपने पाठ्यक्रम कार्यक्रमों के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं और उन्हें प्रशिक्षित कर्मचारी प्रदान करके कंपनियों की निगरानी और प्रशिक्षण लागत को बचाते हैं।

अब इंटर्नशिप के बारे में दिमाग में आने वाले सवाल हैं, इंटर्नशिप क्यों महत्वपूर्ण है? और व्यावसायिक छात्र इंटर्नशिप क्यों करते हैं? इंटर्नशिप कार्यक्रमों से संबंधित हर प्रश्न का उत्तर यह है कि वे अल्पकालिक कार्यस्थल व्यावहारिक अनुभव हैं जो छात्रों को उनके अंडरग्रेजुएशन कोर्स कार्यक्रमों के दौरान और बाद में नौकरी बाजार में प्रवेश करने का अवसर प्रदान करते हैं। इंटर्नशिप व्यावहारिक अनुभव सीखने के टीम वर्क को फिर से शुरू करने के लिए व्यक्तिगत और व्यावसायिक संबंधों के निर्माण के लिए और असली पैसे कमाने के लिए उत्कृष्ट स्रोत हैं।(2)

## अध्ययन की आवश्यकताः

इंटर्नशिप चुनौतीपूर्ण व्यावसायिक दृष्टिकोण के माध्यम से आंतरिक के व्यक्तिगत विकास की ओर जाता है। एनपीई 1986 की अपनी समीक्षा में आचार्य राममूर्ति समिति (1990) ने देखा कि शिक्षक प्रशिक्षण के लिए एक इंटर्नशिप मॉडल को अपनाया जाना चाहिए क्योंकि इंटर्नशिप मॉडल शिक्षण कौशल के विकास पर एक यथार्थवादी स्थिति में वास्तविक क्षेत्र के अनुभव के प्राथमिक मूल्य पर आधारित है। समय की अवधि में अभ्यास द्वारा।

बिना बोझ के सीखने पर यशपाल समिति की रिपोर्ट (1993) ने सिफारिश की कि इन कार्यक्रमों में जोर प्रशिक्षुओं को आत्म सीखने और स्वतंत्र सोच की क्षमता हासिल करने में सक्षम बनाने पर होना चाहिए।

यह पेशे के भीतर समाजीकरण का समर्थन करता है, शिक्षण-शिक्षण अवधारणाओं के विकास को उत्तेजित करता है, प्रयोगों का एक संरक्षित क्षेत्र प्रदान करता है, नए दृष्टिकोणों की अनुमति देता है और सीखने और प्रतिबिंबित करने के लिए प्रेरणा को बढ़ाता है। इससे उन्हें सार्थक कक्षा गतिविधियों (डॉ0 कीर्ति मतलीवाला) को चुनने, डिजाइन करने, व्यवस्थित करने और संचालित करने में मदद मिलेगी। इन सभी टिप्पणियों के साथ, हम कह सकते हैं कि शिक्षक शिक्षा के दौरान इंटर्नशिप एक महत्वपूर्ण और प्रमुख भूमिका निभाता है। इसलिए शोधकर्ता ने प्रशिक्षु शिक्षकों के स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करने की आवश्यकता महसूस की।

## शोध का शैक्षिक अभिप्रेत –

यदि यह कार्यक्रम प्रभावी है तो इस कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न बी.एड. विद्यार्थियों को विभिन्न शिक्षण-कौशलों को विकसित करने तथा प्रभावी शिक्षण सीखाने में मदद कर सकता है तथा भावी सफल शिक्षकों का निर्माण कर सकते है। प्रशिक्षक का मानना था कि इससे छात्र के व्यवहार में वांछित परिवर्तन होता है।

1. **अनुभव मायने रखता है** – इंटर्न को अच्छी तरह से प्रशिक्षित होने और अपने इंटर्नशिप के दौरान अपने कौशल में सुधार करने का अवसर मिलता है।
2. **ज्ञान लाभ** – कक्षा में अध्ययन करते समय व्यावहारिक स्थितियों का अनुमान लगाना संभव नहीं है, एक इंटर्नशिप एक ऐसा मंच है जहां सीखने के लिए बहुत बड़ा सामान मिल सकता है और स्थिति को संभालने का सबसे अच्छा मौका है।
3. **विफलता से सीखने का अवसर** – इंटर्नशिप के दौरान आपको एक ट्रेनर या एक गाइड के साथ आवंटित किया जाएगा, वे आपको सिखाते हैं और आपको प्रशिक्षित करते हैं।
4. **अपना वेतन कमा सकते हैं** – यह छात्रों के लिए प्रमुख लाभों में से एक है। वे कार्यस्थल को अधिक दिलचस्प महसूस करते हैं। अपने काम के लिए एक पुरस्कार के रूप में विचार करें, जो आपको नौकरी पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है। यह आपकी तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए आर्थिक रूप से आपकी मदद करेगा और व्यक्तिगत विकास के लिए पहला कदम होगा। लाभ प्राप्त करें और एक वास्तविक कार्यबल प्रकृति का अनुभव करें। आप इस पैसे का उपयोग प्रोजेक्ट कार्य या आगे की पढ़ाई के लिए भी कर सकते हैं।
5. **सैद्धांतिक अध्ययन का उपयोग** – उनमें से कई ने अपनी शैक्षणिक अवधि के दौरान बहुत अध्ययन किया होगा, उन्हें इस बात का अंदाजा होगा कि उद्योग कैसे काम करता है, लेकिन व्यावहारिक रूप से यह थोड़ा अलग है।
6. **कार्यबल संस्कृति से अवगत हों** – कार्यबल किसी भी इंटर्न के लिए नया है। कोई अपना काम पूरा नहीं कर सकता है और अपने घर वापस आ सकता है,
7. **अपने फिर से शुरू बढ़ाने** – इंटर्नशिप आपके फिर से शुरू होने के लिए एक मूल्य वर्धित बिंदु होगा, यदि आपको उसी संगठन में अवसर नहीं मिलता है जहां आपने अपना प्रशिक्षण किया है, तो आप अपने भविष्य के साक्षात्कार के उद्देश्य के लिए इस अनुभव का उपयोग कर सकते हैं।
8. **आपके करियर का विजन** – आपके पास एक उपयुक्त कैरियर चुनने के लिए असमंजस या दुविधा की स्थिति हो सकती है, इंटर्नशिप के दौरान आप उद्योग के माहौल को समझेंगे, यदि आप उस अवधि के दौरान काम के साथ रुचि या उत्साहित महसूस करते हैं तो आप भविष्य में उसी रास्ते को चुन सकते हैं।
9. **विभिन्न क्षेत्रों का अनुभव करने के लिए विकल्प** – कुछ छात्र दो या अधिक नौकरियों का अनुभव करना पसंद करते हैं, आप इंटर्नशिप चुनकर अपनी इच्छा को पूरा कर सकते हैं।

विशेष नौकरी के लिए आवेदन करें और नई चुनौती का अनुभव करें, जिस तरह से काम करता है उसे समझें, अपने आप को फ्रेम करें कि आप मैदान में कितने अच्छे हैं, अन्य क्षेत्रों की तुलना में इसकी क्या सीमाएं हैं।

10. **पेशेवर व्यवहार** – प्रोफेशनल लाइफ से कॉलेज लाइफ काफी अलग है। यहां आप अनुशासन सीखने की कोशिश करेंगे जैसे कि क्या होता है यदि आप समय पर कार्यस्थल में शामिल नहीं होते हैं, तो वे आपको अनुपस्थित चिह्नित कर सकते हैं जो आपकी परियोजना रिपोर्ट के अंत में खराब उपस्थिति के लिए प्रभावी होगा।
    आपके अनुशासनहीनता के कारण काम प्रभावित होगा। यदि आप अपने सहकर्मियों के साथ नहीं बोलते हैं, तो आप प्रशिक्षण अवधि के दौरान कुछ भी नहीं सीखेंगे, आप नेतृत्व कौशल, संस्कृति और पारस्परिक कौशल भी विकसित कर सकते हैं।
    आप दूसरों और उनके विचारों का सम्मान करना सीखेंगे। आपको अपने वरिष्ठों से समस्या सुलझाने के कौशल का अनुभव करने का मौका मिलेगा।
11. **समय प्रबंधन कौशल** – आपका गाइड या ट्रेनर आपको इंटर्नशिप के दौरान कुछ काम सौंपेगा, आपको काम पूरा करने के लिए समय आवंटित किया जाएगा।
    यदि आपकी समय सीमा पार कर ली गई है तो आपकी कड़ी मेहनत का कोई फायदा नहीं है, और आप इसके परिणामों को भी समझेंगे, यदि आप दिए गए अवधि में आवंटित कार्य जमा नहीं करते हैं, तो एक बड़ा नुकसान होगा।
12. **व्यक्तिगत विकास कौशल** – जब भी आपको कोई नया अवसर मिलेगा आप उत्साह से लैस होंगे। आप अपने काम पर ज़िम्मेदार होने लगेंगे क्योंकि आप व्यक्तिगत रूप से परिणाम से प्रभावित नहीं होते हैं।
    आप एक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करेंगे और परिपक्व हो जाएंगे क्योंकि यह एक पेशेवर के लिए महत्वपूर्ण गुण है, नकारात्मक दृष्टिकोण के मामले में आपका सम्मान नहीं किया जाएगा और लोग काम करना पसंद नहीं करेंगे।
13. **आपके करियर के लिए संसाधन** – संगठन में कर्मचारियों के साथ मित्रवत व्यवहार करने से आपको कुछ फायदे हो सकते हैं। वे अनुभवी हैं, इसलिए वे न केवल प्रशिक्षण के दौरान काम में मदद करते हैं, बल्कि इंटर्नशिप से राहत देने के बाद भी करियर के बारे में कुछ सुझाव देने में आपकी मदद कर सकते हैं।
14. **अपना समय बचाता है** – अगर आपको घर पर बेकार बैठे किसी कंपनी में नहीं रखा जा रहा है, तो सबसे अच्छा विचार इंटर्नशिप के लिए जाना है।
    इससे आपका समय बचेगा और आप यह भी समझ पाएंगे कि किस बिंदु पर आप हर साक्षात्कार में असफल हो रहे हैं, इसे वास्तविक नौकरी के लिए एक नकली सवारी के रूप में मानें।
15. **अंशकालिक काम के रूप में चुन सकते हैं** – आप इसे अंशकालिक काम के रूप में चुन सकते हैं, जब आप स्नातक कर रहे हैं, तो आप व्यावहारिक रूप से चीजों को सीखने के लिए इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह आपके समय की बचत करेगा और साथ ही करियर को भी बढ़ावा देगा। पढ़ाई करते हुए कोई कमा सकता है।(3)

## परिचालन परिभाषाँ :

1. **इंटर्नशिप कार्यक्रमः** प्रशिक्षु शिक्षकों का मतलब कुछ जिम्मेदारियों से गुजरना और स्कूलों में पहली बार अनुभव प्राप्त करना है। वे काम के घंटों के दौरान स्कूल की सभी गतिविधियों में भी भाग लेते हैं। संक्षेप में वे स्कूलों में वास्तविक शिक्षक के रूप में कार्य करते हैं।
2. **प्रशिक्षु शिक्षक** – शिक्षक शिक्षा के दौरान प्रशिक्षण की अवधि के दौरान स्नातक छात्र होता है। कोर्स पूरा होने तक उन्हें प्रशिक्षु शिक्षक या छात्र शिक्षक कहा जाता है।
3. **पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियां** – प्रशिक्षु शिक्षक द्वारा पूरे इंटर्नशिप कार्यक्रम में किए गए शैक्षणिक संबंधित कार्य।
4. **इंटर्न** – एक छात्र या एक प्रशिक्षु है जो नए अनुभव प्राप्त करने या योग्यता के लिए आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए काम करता है।
5. **शिक्षण कौशल** – सीधे या परोक्ष रूप से सीखने वाले छात्रों की सुविधा के लिए शिक्षण कार्य या व्यवहार के एक समूह के रूप में परिभाषित किया गया है। यह शिक्षण तकनीक और रणनीति को अनुकूलित करने में मदद करता है।

## अध्ययन का उद्देश्यः

1. प्रशिक्षु शिक्षकों को प्रदान किये गये इंटर्नशिप कार्यक्रम का अध्ययन करना।
2. इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए।
3. प्रशिक्षु शिक्षकों द्वारा इंटर्नशिप के दौरान आने वाली बाधाओं का पता लगाने के लिए।
4. इंटर्नशिप कार्यक्रम की प्रक्रिया को विस्तार से समझने के लिए।

## शोध प्रश्नः

स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षु शिक्षकों की स्थिति और चुनौतियों को क्या माना जाता है?

## पद्धतिः

प्रशिक्षु शिक्षकों की इंटर्नशिप कार्यक्रम के बारे में राय का अध्ययन करने के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति को अपनाया गया था।

## नमूना और नमूना तकनीकः

वर्तमान अध्ययन के लिए शोधकर्ता ने उद्देश्य आधारित सैंपलिंग तकनीक का अनुसरण किया। सभी बीएड प्रशिक्षु शिक्षक राय और प्रतिक्रिया एकत्र करने में सक्रिय रूप से शामिल थे।

## उपकरणः

शोधकर्ता ने स्व-तैयार प्रश्नावली का उपयोग किया है

## प्रक्रियाः

इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए, विभिन्न प्रकार के स्कूलों यानी सीबीएसई और राज्य से अनुमति ली गई थी। पर्यवेक्षकों के साथ प्रशिक्षुओं के बीच समूह बनाए जाते हैं और वे विद्यालय में गतिविधियों को करने के लिए अच्छी तरह से उन्मुख होते थे। B-Ed पाठ्यक्रम के भाग के रूप में, प्रशिक्षु शिक्षकों को इंटर्नशिप के तीन चरणों के लिए जाना होता है। पहला चरण पूर्व-इंटर्नशिप है, जहां वे वास्तविक शिक्षक, स्कूल की गतिविधियों का अवलोकन और सहकर्मी पाठ का अवलोकन आदि जैसे कार्य करते हैं। दूसरा चरण इंटर्नशिप चरण है जहां उन्हें अपने शैक्षणिक विषय में पाठ पढ़ाना होता है। इसके साथ ही उन्हें स्कूल की गतिविधियों का भी अवलोकन करना है और कुछ गतिविधियों का संचालन भी करना है। प्रशिक्षु शिक्षकों को इकाई परीक्षण तैयार करने और परीक्षण का प्रबंधन करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। तीसरा चरण 6 सप्ताह के लिए IV सेमेस्टर में है, जहां प्रशिक्षुओं को अपने शिक्षण विषय में 30 पाठ पढ़ाने होंगे। इस चरण में उन्हें सभी शिक्षण-शिक्षण प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। उन्हें डिजिटल पाठ योजनाओं के लिए और पाठ्यचर्या और सह-पाठयक्रम गतिविधियों का संचालन करने के लिए भी प्रशिक्षित किया गया। उन्हें स्कूली छात्रों की समस्याओं पर भी कार्रवाई करनी होगी। इस उद्देश्य के लिए इस इंटर्नशिप अवधि के दौरान डेटा एकत्र किया जाना है।

प्रत्येक छात्र-शिक्षक द्वारा अपनी समस्याओं के बारे में जागरूकता लाने और समावेशी शिक्षा के महत्व पर जोर देने के लिए एक विशेष बच्चे का साक्षात्कार लिया जाता है।

इंटर्नशिप के हर चरण के बाद, छात्र-शिक्षकों के प्रदर्शन के बारे में स्कूल के समन्वयकों से प्रतिक्रिया ली जाती है। वे अभिनव, गुणवत्ता वाले शिक्षक बनाने के लिए हर पहलू से उनका मार्गदर्शन करते हैं।

## डेटा विश्लेषण और व्याख्याः-

| | |
|---|---|
| 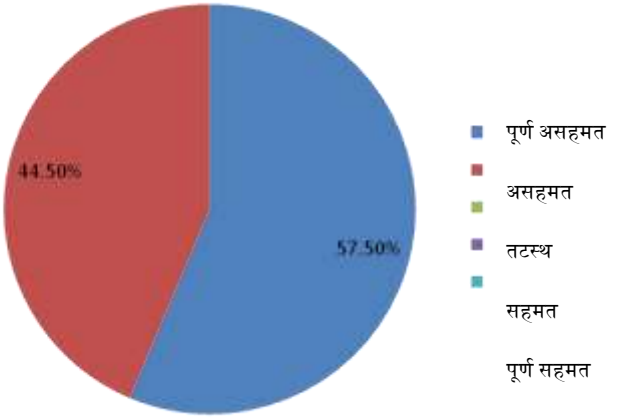 | 1. मैंने अपने द्वारा किए गए कर्तव्यों से ज्ञान प्राप्त किया है।<br>पाई चार्ट से पता चलता है कि प्रशिक्षु शिक्षकों में से 57.50 प्रतिशत सहमत थे और उनमें से 44.5 प्रतिशत दृढ़ता से बयान से सहमत थे। इससे पता चलता है कि उन्होंने उन कर्तव्यों से ज्ञान प्राप्त किया है जो उन्होंने किए थे। |
| 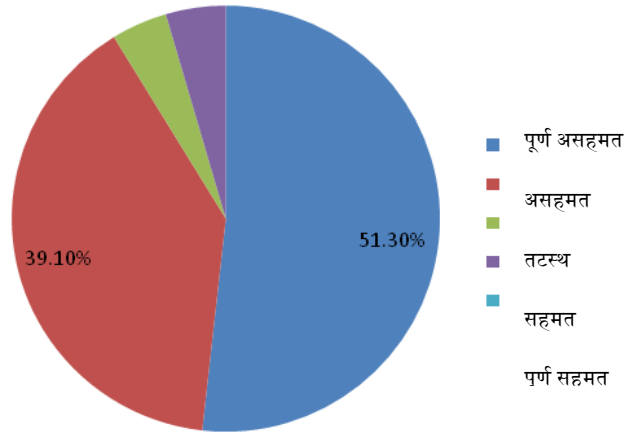 | 2. मुझे लगा कि मेरी कक्षा की शिक्षा समृद्ध हुई है।<br>पाई चार्ट से पता चलता है कि प्रशिक्षु शिक्षकों में से 51.30 प्रतिशत सहमत थे, उनमें से 39.10 प्रतिशत दृढ़ता से सहमत थे, 4.2 प्रतिशत और 4.5 प्रतिशत तटस्थ और असहमत थे। इसलिए हम कह सकते हैं कि उनमें से अधिकांश को लगा कि उनकी कक्षा की शिक्षा समृद्ध है। |
| 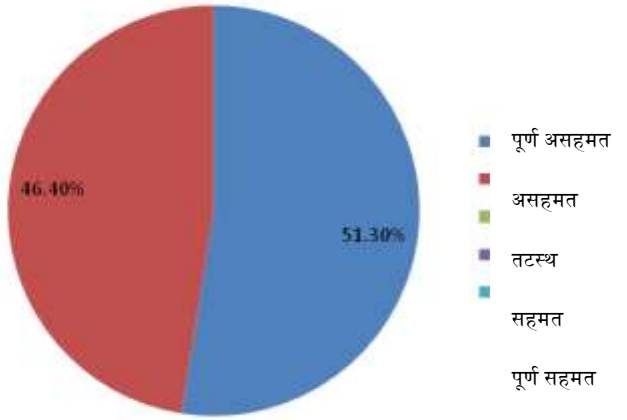 | 3. मैंने अकादमिक विषय वस्तु को "वास्तविक दुनिया'' से जोड़ने की क्षमता विकसित की है।<br>पाई चार्ट से पता चलता है कि प्रशिक्षु शिक्षकों का 51.3 प्रतिशत दृढ़ता से सहमत थे और उनमें से 46.40 प्रतिशत सहमत थे। इसलिए हम कह सकते हैं कि उनमें से कई लोगों ने विषय वस्तु को वास्तविक दुनिया से जोड़ने की क्षमता विकसित कर ली है। उन्होंने यह भी कहा कि कई उदाहरणों को दिखा कर वे इसे हासिल कर सकते हैं। |

| | |
|---|---|
| 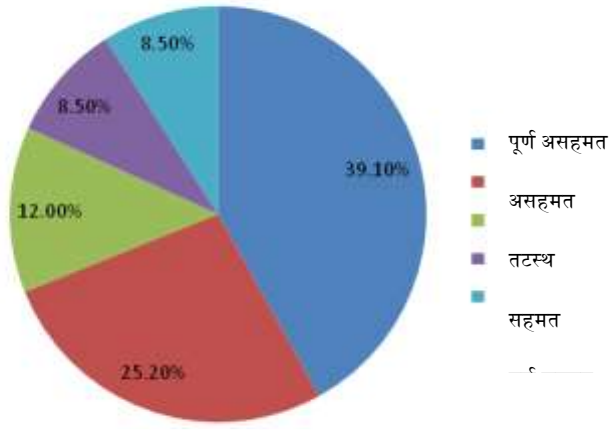 | 4.इंटर्नशिप के दौरान बाधाओं का सामना करना पड़ा।<br>पाई चार्ट से पता चलता है कि 39.10 प्रतिशत सहमत, 25.20 प्रतिशत तटस्थ, 12 प्रतिशत असहमत, 8.5 प्रतिशत दोनों के लिए दृढ़ता से सहमत हैं और दिए गए बयान के लिए दृढ़ता से असहमत हैं। इससे पता चलता है कि इंटर्नशिप के दौरान आधे छात्रों को कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ा। |
| 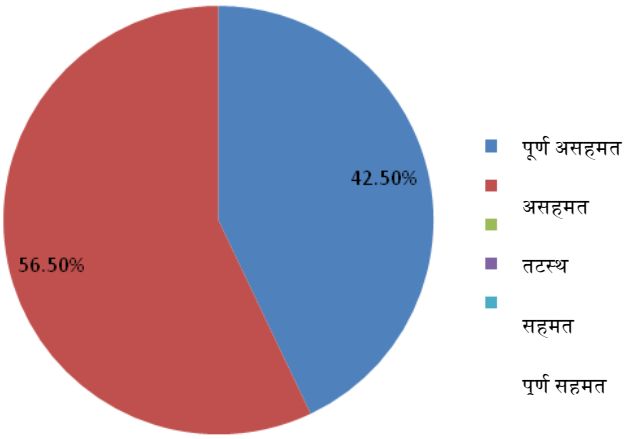 | 5.बेहतर पाठ योजना, रणनीति और शिक्षण के तरीके।<br>पाई चार्ट से पता चलता है कि 4250 प्रतिशत सहमत थे, दिए गए कथन के लिए 56.5 प्रतिशत दृढ़ता से सहमत थे। इससे पता चलता है कि प्रशिक्षु शिक्षकों ने पाठ योजना रणनीतियों और शिक्षण के तरीकों में सुधार किया। |
| 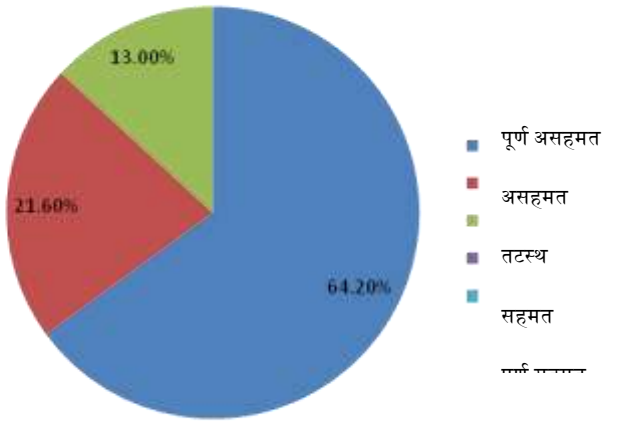 | 6.स्कूल के वास्तविक शिक्षकों से शिक्षण लक्षण लैस।<br>पाई चार्ट से पता चलता है कि 64.2 प्रतिशत सहमत हैं, 21.6 प्रतिशत दृढ़ता से सहमत हैं और दिए गए कथन के लिए 13 प्रतिशत तटस्थ हैं। इससे पता चलता है कि प्रशिक्षु शिक्षक शिक्षण से लैस हैं |

| | |
|---|---|
| 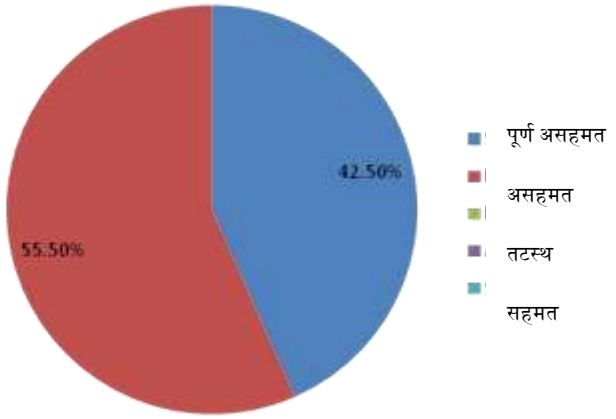 | 7. मैंने अधिक उत्पादक होने की क्षमता प्राप्त कर ली है।<br>पाई चार्ट से पता चलता है कि 42.5 प्रतिशत सहमत हुए, दिए गए कथन के लिए 55.5 प्रतिशत दृढ़ता से सहमत हुए। इससे पता चलता है कि प्रशिक्षु शिक्षकों ने अधिक उत्पादक होने की क्षमता प्राप्त की। |
| 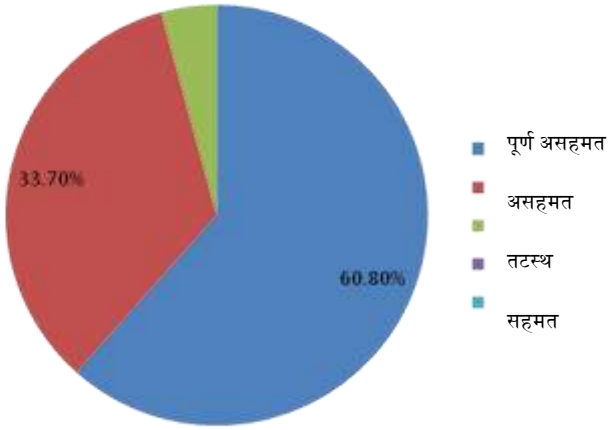 | 8. मुझे कुछ सार्थक करने में संतुष्टि की भावना है।<br>पाई चार्ट से पता चलता है कि 60.8 प्रतिशत सहमत हुए, 33.7 प्रतिशत दृढ़ता से सहमत हुए और 4.3 प्रतिशत दिए गए कथन के लिए तटस्थ थे। इससे पता चलता है कि प्रशिक्षु शिक्षक कुछ सार्थक करने में संतुष्ट थे। |
| 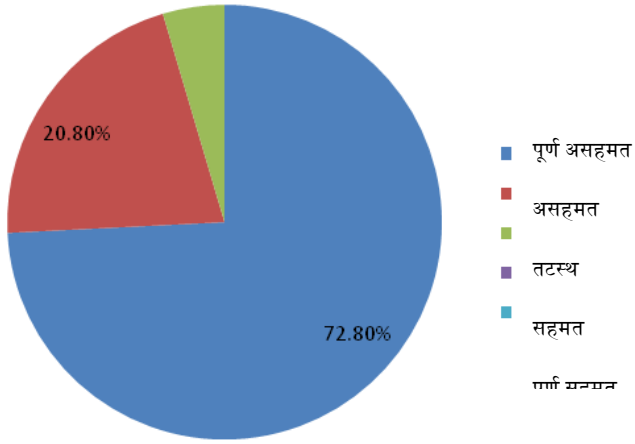 | 9. क्या आपके पर्यवेक्षक/समन्वयक जरूरत पड़ने पर मिलने के लिए उपलब्ध थे?<br>पाई चार्ट से पता चलता है कि 72.8 प्रतिशत ने एक महान सौदे का विरोध किया, 20.8 प्रतिशत मध्यम और 4.4 प्रतिशत ने बयान के लिए थोड़ा विरोध किया। इससे पता चलता है कि जब भी आवश्यकता हो प्रशिक्षु शिक्षकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्यवेक्षक/समन्वयक उपलब्ध थे। |

## निष्कर्ष :-

उपर्युक्त शोध के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि यह कार्यक्रम शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को वास्तविक शिक्षण कार्य के बारे में प्रशिक्षित करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह इन्टर्नशिप कार्यक्रम विद्यार्थी शिक्षकों को यह अवसर देता है कि वे अपने शिक्षण की योजना बनाकर उसका अभ्यास करे एवं विद्यार्थियों व अभिभावकों द्वारा दिये गये फीडबेक के आधार पर अपने शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने हेतु प्रयास करे एवं अपने प्रदर्शन में सुधार

करे। इस कार्यक्रम की मदद से अपने व्यावसायिक प्रदर्शन को अच्छा बनाये। अतः निष्कर्ष रूप में कह सकते है कि इस कार्यक्रम के द्वारा शिक्षण के विभिन्न पहलूओं को समझने और अपनी कौशल व क्षमताओं को विकसित करने में मदद मिलती है। सभी विद्यार्थी अध्यापकों के अनुसार वे अपने इस कार्यक्रम को भलीभाँति पूरा करते है तथा सभी की राय यह थी कि वे इस स्कूल इन्टर्नशिप कार्यक्रम से पूर्ण संतुष्ट थे।[I]

## संदर्भ सूची


1. Slogan, Sushma (2010) "International Journal for Social Studies ISSN: 2455-3220, Vol. 05 Issue 02, pp. 235.
2. Anjum, Sadia (2020), "Impact of internship programs on Professional and Personal Development of Business Students" a case study of Pakistan, Future Business Journal, Vol. – 6 Art No. (2) pp .2.
3. https://content.wisestep.com/ways-an-internship-cum-affect-your-career/
4. Beenen G, Mrousseau DM (2010) Getting the most from MBA internships: promoting intern learning and job acceptance. Hum Resour Manag 49(1):3. https://doi.org/10.1002/hrm.20331
5. https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S1877042813020090
6. https://journals.sagepub.com/doi/full/10.1258/jrsm.2010.100036
7. Undergraduate Business Internships and Career Success: Are They Related? Jack Gault, John Redington, Tammy SchlagerFirst Published April 1, 2000 Research Articlehttps://doi.org/10.1177/0273475300221006.